



શ્રેણી નં: 126

Methi Ke 50 Madani Phool (Gujarati)

મેથી કે 50 મ-દની ફૂલ



શૈખે તરીકત, અમીરે અહલે સુલ્ત, બાનિયે દા'વતે ઇસ્લામી, હારતે અલ્લામા મૌલાના અબૂ ઝિલાલ

મુહમ્મદ ઇબ્ત્યાસ અતાર કાદિરી ર-ઝવી کتابت تبرکاتہم
الکتابیہ

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
مَا بَعُدَ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

કિતાબ પઢને કી દુઆ

અઝ : શૈખે તરીકત, અમીરે અહલે સુન્નત, બાનિયે દા'વતે ઈસ્લામી, હઝરત અલ્લામા મૌલાના અબૂ બિલાલ મુહમ્મદ ઈલ્યાસ અત્તાર કાદિરી ર-ઝવી دامت بركاتهم العالیه
દીની કિતાબ યા ઈસ્લામી સબક પઢને સે પહલે ઝૈલ મેં દી હુઈ દુઆ પઢ લીજિયે
ان شاء الله عز وجل જો કુઇ પઢેંગે યાદ રહેગા. દુઆ યેહ હૈ :

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأَنْشُرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

તરજમા : ઐ અલ્લાહ! અઝુઝુલ! હમ પર ઈલ્મો હિક્મત કે દરવાઝે ખોલ દે ઓર હમ પર
અપની રહમત નાઝિલ ફરમા ! ઐ અ-ઝમત ઓર બુરુગાં વાલે। (المستطرف ج 1، مدار الفكر بيروت)

નોટ : અવ્વલ આખિર એક એક બાર દુરૂદ શરીફ પઢ લીજિયે.

તાલિબે ગમે મદીના
વ બકીઅ
વ મગિફરત



13 શવ્વાલુલ મુકર્રમ 1428 હિ.

મેથી કે 50 મ-દની ફૂલ

યેહ રિસાલા (મેથી કે 50 મ-દની ફૂલ)

શૈખે તરીકત, અમીરે અહલે સુન્નત, બાનિયે દા'વતે ઈસ્લામી હઝરત અલ્લામા મૌલાના અબૂ બિલાલ મુહમ્મદ ઈલ્યાસ અત્તાર કાદિરી ર-ઝવી ઝિયાઈ
دامت بركاتهم العالیه ને ઉદ્દૂઝબાન મેં તહરીર ફરમાયા હે.

મજલિસે તરાજિમ (દા'વતે ઈસ્લામી) ને ઈસ રિસાલે કો ગુજરાતી રસ્મુલ ખત મેં તરતીબ દે કર પેશ કિયા હે ઓર મક-ત-બતુલ મદીના સે શાએઅ કરવાયા હે. ઈસ મેં અગર કિસી જગહ કમી બેશી પાએં તો મજલિસે તરાજિમ કો (બ ઝરીઅએ મક્તૂબ, ઈ-મેઈલ યા SMS) મુત્તલઅ ફરમા કર સવાબ કમાઈયે.

રાબિતા : મજલિસે તરાજિમ (દા'વતે ઈસ્લામી)

મક-ત-બતુલ મદીના, સિલેકટેડ હાઉસ, અલિફ કી મસ્જિદ કે સામને,

તીન દરવાઝા, અહમદઆબાદ-1, ગુજરાત, ઈન્ડિયા

MO. 9374031409 E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

मेथी के 50 म-दनी झूल

दुइए शरीफ़ की झूलत

उअरते सख्यदुना उबय बिन का'ब रَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَنْهُ ने अऊर की के में (सारे विद, वजीके छोड दूंगा और) अपना सारा वक्त दुइए प्वानी में सई कइंगा. तो सरकारे मदीना صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने इरमाया : येह तुम्हारी किंके दूर करने के लिये काई होगा और तुम्हारे गुनाह मुआफ़ कर दिये जाअेंगे.

(तरोमडी ज ६ व २०७ हदीथ २६६०६ डार अल फकर बीरुत)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

अदलाह तआला की बे शुमार ने'मतों में से अेक ने'मत मेथी भी है जो के सिद्धते ईन्सानी के लिये निहायत मुईद है और اَلْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ में (सगे मदीना رَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ) ने भी ईस से नइअ उठाया है लिहाजा خَيْرُ النَّاسِ مَنْ نَفَعَ النَّاسَ - صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : इरमाने मुस्तई या'नी "ईन्सानों में बेहतर वोह है जो लोगों को नइअ पहुंचाअे." (1) पर अमल की नियत से मेथी के बारे में 50 म-दनी झूल पेश करने की सआदत हासिल करता हूं. येह बात हमेशा के लिये याद रभिये के किस्ती भी शप्स के अताअे हुअे या किताबों में लिभे हुअे अलके अहादीसे मुबा-रका में अयान कर्दा ईलाज भी माहिर तबीअ के मश्वरे के बिगैर नहीं करने याहिअें.

4
شُعَبُ الْإِيمَانِ ج ٦ ص ١١٧ هَدِيث ٧٦٥٨ دَارُ الْكُتُبِ الْعِلْمِيَةِ بِيْرُوتِ (1)

﴿۱﴾ **इरमाने मुस्तफ़ा** صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जिस ने मुज पर अक बार दुरदरे पाक पढा अदलाह उस पर दस रलमतें बेजता है. (مسلم)

﴿1﴾ **इरमाने मुस्तफ़ा** صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : “मेथी से शिफ़ा हासिल करो.”⁽¹⁾ मेथी को अ-रबी में हुल्बल, फ़ारसी में शम्बलीला, पश्तो में मल्बूजा और अंग्रेज़ी में (फ़ीनूग्रीक) FENUGREEK बोलते हैं।

﴿2﴾ मेथी में विटामिन B, इलाह, फ़ासफ़ोरस और कैल्शियम की मौजूदगी ज़रूरी कमजोरी और खून की कमी दूर करती है।

﴿3﴾ मेथी दाल की तरह पका कर, या पियडी बना कर, या मेथी का पाउडर यतनी या छाछ में शामिल कर के भी फ़ायेदा हासिल किया जा सकता है।

﴿4﴾ थोड़े बहुत मेथी दाने हर तरह की तरकारी वगैरा में ज़रूर डालने चाहिए।

﴿5﴾ मेथी आंभों की पीली रंगत, मुँह की कडवाहट और दिल पराब होने की कैफ़ियत खत्म करती है।

﴿6﴾ जिस के मुँह से लुआब या'नी राल बहती हो उस के लिये मेथी का इस्ति'माल डैरत अंगेज तासीर रખता है।

दाइमी कब्ज और पेट की बीमारियों का घलाज

﴿7﴾ मेथी बढ हजमी, पट्टी उकारें और तूक की कमी दूर करती है।

﴿8﴾ मेथी पेट की हवा पारिज करती और जिगर का इंग्ल दुरुस्त करती है।

﴿9﴾ आंतों की कमजोरी के सबब अगर दाइमी कब्ज हो तो 5 ग्राम मेथी का सुइइ (पाउडर) गुड में मिला कर सुबह व शाम पानी के साथ कुछ दिन तक इस्ति'माल करने से न सिर्फ़ दाइमी कब्ज दूर होगी बल्के

مدینہ

تنزيه الشريعة ج ۲ ص ۲۴۶ دار الكتب العلمية بيروت (1)

ફરમાને મુસ્તફા ﷺ : صَلِّ اللَّهَ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : જો શાખ્સ મુઝ પર દુરૂદે પાક પઢના ભૂલ ગયા વોહ જન્નત કા રાસ્તા ભૂલ ગયા. (ટ્રાન્.)

જિગર કો ભી તાકત મિલેગી, اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ عَزَّوَجَلَّ.

﴿10﴾ મે'દે કે અલ્સર યા અંતરિયોં કે ઝખ્મ ઓર સૂજન મેં મેથી કા ઇસ્તિ'માલ બહુત મુફીદ હૈ.

﴿11﴾ પેચિશ કે મરીઝોં કે લિયે 5 ગ્રામ (છોટી ચમ્મચ) પિસી હુઈ મેથી પાની સે ઇસ્તિ'માલ કરના મુફીદ હૈ.

﴿12﴾ મેથી પેટ કે છોટે છોટે કીરે મારતી હૈ.

﴿13﴾ મેથી કે દાને મુસકિન (યા'ની તસ્કીન બખ્શ), હાઝિમ ઓર પેટ કે તનાવ ખિયાવ ઓર અફારા (યા'ની પેટ ફૂલને કા મરઝ) ખત્મ કરતે હૈં.

કમર ઓર જોડોં કા દર્દ

﴿14﴾ મેથી કા ઇસ્તિ'માલ કમર દર્દ, તિલ્લી કે વરમ ઓર ગંઠિયા (જોડોં કે દર્દ) વગૈરા મેં નાફેઅ (યા'ની ફાએદા મન્દ) હૈ.

﴿15﴾ મેથી દાને ગુડ કે સાથ જોશ દે કર ઇસ્તિ'માલ કરને સે કમર ઓર જોડોં કે દર્દ મેં આરામ આતા હૈ.

﴿16﴾ ગંઠિયા (યા'ની જોડોં કે દર્દ) કે લિયે મેથી કે દસ ગ્રામ તાઝા પત્તે પાની મેં પીસ કર સુબ્હ નહાર મુંહ ઇસ્તિ'માલ કીજિયે. (મેથી કે પત્તે સબ્જી વાલોં સે મિલ સકતે હૈં)

ખૂની વ બાદી બવાસીર કા ઇલાજ

﴿17﴾ મેથી કે મુસલ્સલ ઇસ્તિ'માલ સે અલ્લાહ ﷻ કે ફઝ્લ સે બવાસીર કા ખૂન બન્દ હો જાતા ઓર બા'ઝ અવકાત મસ્સે (પાઈલ્ઝ. PILES) ઝડ જાતે હૈં. અગર સાથ મેં ઇન્જર કા ભી ઇસ્તિ'માલ કિયા જાએ તો ફ્વાઈદ મેં ઇઝાફા હો સકતા હૈ.

﴿18﴾ બવાસીર કે લિયે એક નુસ્ખએ લા જવાબ યેહ હૈ કે 250 ગ્રામ મેથી દાને ઓર 250 ગ્રામ છોટી ઇલાયચી લીજિયે ઓર દોનોં કો

﴿रमाने मुस्तफ़ا حلى الله تعالى عليه و آله و سلم﴾: जिस के पास मेरा जिक्र हुआ और उस ने मुझ पर दुर्रहे पाक न पढा तउकीक
वोडु अद अप्तु हो गया. (उरुन)

बारीक पीस लीजिये. दिन में दो या तीन बार याय की अेक अेक यम्मय
दूध या पानी के साथ ँस्ति'माल कीजिये.

﴿19﴾ येडु नुस्खा मऊकूरा तरीके से ँस्ति'माल करने से अवासीर के
ँलावा ँन बीमारियों के लिये ली मुकीद है : लूक कम लगना, पुरानी
गेस, तअपीर (या'नी वोडु बुभारात जे आने के आ'द दिभाग को यदते हैं और
जिस्म को गर्मा देते हैं), अद अउमी, अट्टी उकारें आना, सीने की जलन, पेट
की जलन, पेट इलना, आना आते डी गुनूदगी या'नी नीद यदना और
आना आते डी तबीअत में उक्ताडट और अेअारी पैदा होना.

﴿20﴾ आंसी की दवाअें आम तौर पर मे'दा अराअ करती हैं लिहाजा
पुरानी आंसी के मरीज का दवाअों के ँस्ति'माल की वजह से मे'दे की
जलन और अद अउमी के मरज से अयना दुश्वार है, मेथी के ँस्ति'माल
से न सिर्फ़ आंसी को अेअेदा होता है अदके मे'दे की ली ँस्लाह होती है.

﴿21﴾ मेथी अलगम निकालती और इेइडों की अन्दरूनी जिल्लियों की
लिफ़ाजत करती है.

﴿22﴾ मेथी दानों का पाउडर गर्म पानी में धोल कर पीना आंसी और
दमे में मुकीद है.

﴿23﴾ मेथी दाने पानी में डलकी आंय पर अूअ अखी तरड उबालें,
जअ काबिले अरदाशत हो जअे तो उस से गरारे कर लीजिये,
﴿لله عزة﴾ गले की अराश और सूजन के लिये मुकीद पाअेंगे.

भारिजु सूजन और इेडों का घलाअ

﴿24﴾ मेथी दानों का छिलका उतार कर उस का गूदा अतौरे लेप (पोलटिस.
POULTICE) सूजन या इेडों पर आंधने से अद्लाह ﴿لله عزة﴾ याहे तो
अेअेदा हो जाता है.

करमाने मुस्तफ़ा: عَلَى اللَّهِ تَعَالَى غَلِيظٌ وَبِئْسَ مَا يَشْرِكُ بِهِ الَّذِينَ كَفَرُوا وَإِنَّهُمْ لَكَاذِبُونَ
 (उसे क्रियामत के दिन मेरी शफ़ाअत मिलेगी. (अल-अनक़ाब))

मुंह के छाले

﴿25﴾ मुंह के अन्दर, ज़बान के नीचे या छोटों की अन्दरूनी सतह पर छाले हों तो मेथी पका कर भाँथे या मेथी के ताज़ा पत्ते पानी में भूब उबाल कर उस के नीम गर्म पानी से सुब्ब व शाम गरारे और कुद्वियां कीजिये **اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ عَزَّوَجَلَّ** मुंह के छाले ठीक हो जायेंगे.

शूगर और ज़ियाबीतुस का घलाव

﴿26﴾ मेथी दानों का 'इस्ति'माल ज़ियाबीतुस (जाया बीटीज. DIABETES) के जैसे मरीजों के लिये भी मुझीद है जो "इन्सूलीन" का 'इस्ति'माल करते हैं. 'इस दौरान यावल, आलू, गोभी, अरवी, डेला और दीगर भीठी अश्या से परहेज जरूरी है, सुब्ब की येडल कदमी मुझीद है. मेथी के 'इस्ति'माल के दौरान अलोपैथिक दवाओं 'इस्ति'माल हो रही हों तो कोई हर्ज नहीं.

﴿27﴾ मेथी दाने दर-दरे (या'नी मोटे मोटे) पिसे लुअे 20 ग्राम रोजाना पाने से **اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ عَزَّوَجَلَّ** सिर्फ़ दस दिन के अन्दर ही पेशाब और भून में शूगर की भिकदार कम हो जायेगी अगर्चे अलाभाते भरज में कमी होने के सभब मरीज को भुद भी झाअेदे का अन्दाज़ा हो जाता है लेकिन बेहतर है के हर दस दिन बा'द शूगर का टेस्ट करवा लिया जाये. शूगर के तनासुब से मेथी दानों का 'इस्ति'माल रोजाना 100 ग्राम तक भी किया जा सकता है. 'इस सिद्विसले में मेथी के बीज दाल की तरह या किसी सब्जी में भिला कर पका कर भी 'इस्ति'माल किये जा सकते हैं.

﴿28﴾ मेथी दानों का अेक जैली असर (सा'उड 'इडेक्ट. SIDE EFFECT) येड है के बा'ज मरीजों का पेट शुर्अ में कुछ झूल जाता है लेकिन बा'द में येड असर भुद भ भुद दूर भी हो जाता है.

﴿29﴾ लो शूगर के मरीज मेथी 'इस्ति'माल न करें.

﴿30﴾ क्रमाने मुस्तफ़ा : صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ जिस के पास मेरा जिक्र हुआ और उस ने मुझ पर दुरुद शरीफ़ न पढा उस ने जफ़ा की. (عبدالرزاق)

मेथी कोलेस्ट्रॉल में कमी लाती है

﴿30, 31﴾ अेक तहकीक के मुताबिक रोजाना मेथी के दाने 'इस्ति'माल करने से कोलेस्ट्रॉल (CHOLESTEROL) और ट्राई ग्लेस राईड्स (Triglycerides) में कमी आती और दिल की बीमारियों का र्भकान कम हो जाता है.

﴿32﴾ मेथी पेशाब आवर है, गुर्दों की सूजन के सभब जब पेशाब कम आता है तो मेथी के 'इस्ति'माल से بِفَضْلِ تَعَالَى पेशाब जुल कर आता है.

सर्दियों में मेथी के इाये

﴿33﴾ सर्दियों में रोजाना पाने के बा'द पानी से मेथी दाने छोटा यम्भय आधा 'इस्ति'माल कर लेने से सर्दियों की अक्सर बीमारियों से लिफ़ाजत होती है, اِنَّ دَاءَ اللّٰهِ عَزَّوَجَلَّ.

﴿34﴾ सर्दी की वजह से पेशाब की तकलीफ़ हो तो मेथी के दाने शहू के साथ 'इस्ति'माल करने से اِنَّ دَاءَ اللّٰهِ عَزَّوَجَلَّ इायेदा होगा.

बाल लम्बे करे, ाडने से बयाये

﴿35﴾ मेथी दानों को पानी में कुछ देर त्मिगो कर नर्म कर लेने के बा'द पीस कर हइते में दो बार सर पर 'इस तरह लगाअें के जड़ों में त्मी लग जाये और कम अज कम अेक घन्टा लगा रहने दीजिये 'इस के बा'द सर धो लीजिये, اِنَّ دَاءَ اللّٰهِ عَزَّوَجَلَّ बाल गिरने बन्द हो जाअेंगे और लम्बे त्मी होंगे.

﴿36﴾ मेथी के साग या'नी पत्ते येहरे पर मलने से येहरा साइ होता है.

औरतों की बीमारियां

﴿37﴾ औरत को सिन्ने बुलूगत की र्भन्तिदा में माहवारी के सभब बसा अवकात जिस्मानी थकन, कमजोरी, येहरे पर बे रौनकी और जर्दी आ

करमाने मुस्तक। على الله تعالى غلبوا اليوسم : जो मुऊ पर रोजे जुमुआ दुइद शरीक पढेगा में डियामत के दिन उस की शकाअत करेगा। (अब्रहम)

जाती है, माहवारी की जियादती के सबभ ली ऐसी अलामात पैदा हो जाती हैं, जैसे मौकअ पर मेथी लून कर गोशत या किसी दूसरी सञ्जी के साथ जाने से $\text{عَلَىٰ اللَّهِ عَزَّوَجَلَّ}$ येह हालत जाती रहेगी.

﴿38﴾ जिन औरतों को बार बार पून आता हो उन के लिये मेथी का 'इस्ति'माल मुफ़ीद है.

﴿39﴾ मेथी बर्यादानी के वरम (या'नी सूजन) और दई वगैरा में फ़ाअेदा मन्द है.

﴿40﴾ बर्ये की पैदा'इश के आ'द मां का दूध कम पैदा हो रहा हो तो मेथी के बीज थोड़ी सी मिक्दार में या किसी माहिर तबीब के मश्वरे से 'इस्ति'माल किये जाअें तो दूध की पैदा'इश में 'इजाफ़ा हो सकता है.

तबीअत हशशाश बशशाश हो

﴿41﴾ मेथी की पत्तियां उबालने के आ'द ललका सा लून कर जाअें तो बदन की अेक भिल्ल सफ़रा (या'नी पित, जई रंग का कडवा पानी) की जियादती अत्म हो कर तबीअत हशशाश बशशाश हो जाती है.

﴿42﴾ मेथी की पत्तियां लूक बढ़ाती हैं.

﴿43﴾ मेथी की पत्तियां कब्ज षोलती हैं, 'इजाअत षुल कर आती है और यूं 'इन्सान षुद को तरो ताजा और ललका कुलका मलसूस करता है.

मेथी के कहुवे के म-दनी ફूल

﴿44﴾ मेथी का कहुवा (या'नी जेशांदा) बनाना बहुत आसान है, हस्बे जरूरत मेथी दाने पानी में डाल कर यूल्हे पर कुछ देर अख़ी तरल जेश दे कर छान लीजिये, कहुवा (जेशांदा) तय्यार है.

﴿45﴾ मेथी का कहुवा षांसी, लक की सूजन 'इस की जलन और दई में फ़ाअेदा करता है.

करमाने मुस्तफ़ा صلى الله تعالى عليه و آله وسلم : मुँह पर दुबूदे पाक की कसरत करो बेशक येह तुम्हारे लिये तदारत है. (अबुसल्ल)

«46» मेथी का कडवा सांस की घुटन और मे'द्रे की जलन के लिये मुईद है.

«47» मेथी का कडवा, मे'द्रे और अंतडियों की गन्धगियां साफ़ करता और निजामे हज़्म से ँठाई और नुक्सान देह रतूबतें पारिज करता है.

«48» मेथी का कडवा पसीना लाता है और अगर पून में किसी किस्म के जरासीम की गन्धगी या जहूर है और उस के सबब बुभार आ रहा है तो उसे जिस्म से पारिज करता है नीज बुभार का दौरानिया ली कम कर देता है.

«49» आम अमराज नज़ला, जुकाम और बुभार में पाली पेट दिन में तीन चार मर्तबा अेक कप मेथी का कडवा पिया जाअे तो إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ दो तीन दिन में येह तकलीफ़ खत्म हो जाअेगी.

«50» अगर मुँह में बढबू आती हो, जिस्म के किसी हिस्से म-सलन नाक कान वगैरा में बढबूदार मवाद जम्भ हो जाता हो, पेट से सप्त बढबूदार हवा पारिज होती रहती हो, बदन से पसीने की तेज बढबू निकलती हो तो मेथी का कडवा मुसल्लसल यन्द् रोज तक ँस्ति'माल कीजिये, إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ येह आप के जिस्म से सारे फ़ासिद और जहरीले मादे पारिज कर देगा और बढबू की शिकायत जाती रहेगी.

गुटका जोर के तबाह हाल मुँह का घलाज हो गया ! (हिकायत)

अेक साहिब के बयान का फुलासा है : मैं ने तकरीबन 20 साल पान गुटके पाअे हैं और ँस कदर कसरत से पाअे हैं के नमाज और पाना पाने के ँलावा मेरा मुँह कभी पाली नहीं रहता था ! إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ अब चार साल से पान गुटके बिल्कुल छूट गअे हैं, ँठोडने की वजह येह बनी के मेरा मुँह अन्दर से कय्या हो कर बिल्कुल गल गया था, मैं सालन तो सालन दही से ली रोटी नहीं पा सकता था, सालन और

करमाने मुस्तफ़ा : عَلَى اللَّهِ تَعَالَى غُلِيْوْا بِهِ وَسَلِّمْ (طبرانی) पड़ोयता है.

दही से मेरे मुंड में जलन मयती थी. बिगैर नमक मिर्य के सिर्फ़ सादा पियडी जाता था, मेरा मुंड भी सहीद तरीके से नहीं खुलता था. जब येह बात मेरे सामने आई के पान गुटके वगैरा से मुंड का केन्सर होता है, मैं बहुत परेशान हो गया.

अेक बार किसी 70 सालह बूढे योकीदार से मुलाकात पर मैं ने अपनी परेशानी बयान की, उस ने कहा : बाजार से दस रुपै की इटकरी और दस रुपै के मेथरे (या'नी मेथी दाने) जो के अयार में डाले जाते हैं वोह ले आओ और येह दोनों दवाओं अेक स्टील के बरतन में यार लीटर पानी के अन्दर डाल कर यूल्हे पर हलकी आंय पर रख दो, इटकरी भी पानी में हल हो जाअेगी और मेथरे (या'नी मेथी दाने) भी पानी में इट जाअेंगे, जब अेक लीटर पानी जल जाअे, या'नी तीन लीटर पानी रह जाअे तो यूल्हे से उतार लो और ठन्डा होने पर उस को बोतलों में भर कर धूप से बया कर साअे में ठन्डी जगह पर रख दो मगर झीज में न रचना और सुब्ह नहार मुंड (या'नी नाशते से कब्ब वाली पेट) थोडा पानी मुंड में रोक रोक कर गरारे और कुद्लियां करो, ईसी तरह दिन में यार पांय मर्तबा और सोते वक्त भी करना है और परहेज येह बताया के कुद्ली और गरारे करने के बा'द कम अज कम आधे घन्टे तक कोई चीज पानी पीनी नहीं है.

बडे साहिब ने बताया के **إِنَّكَ لَمِنَ الْمُؤْمِنِينَ** इटकरी से मुंड और गले के तमाम जरासीम अत्म हो जाअेंगे और **مِثْرًا** (या'नी मेथी दानों) से मुंड और गले के सारे जम्भ सहीद हो जाअेंगे और अस अेक हफ्ते की बात है ईस के बा'द जो मरजी है आओ पियो **إِنَّكَ لَمِنَ الْمُؤْمِنِينَ** कोई रुकावट नहीं पडेगी.

ફરમાને મુસ્તફા ﷺ : जिस ने मुझे पर दस मरतबा दुरुदे पाक पढा अल्लाह उंस पर सो
रहमतें नाज़िल फ़रमाता है. (अ. ५)

मैं ने येह नुस्खा उसी दिन बना कर 'इस्ति'माल करना शुरू कर दिया और **اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ** अक हफ़ते के अन्दर मेरा मुंह सहीह होना शुरू हो गया, मुंह के ज़म्म त्तर कर अत्तम होना शुरू हो गये और फिर मैं ने इस नुस्खे के बा'द अक और नुस्खा भी 'इस्ति'माल करना शुरू कर दिया. **वोह नुस्खा पोदीने का था क्यूंके मैं ने पढा था के पोदीना अेन्टी अेलर्जिक (ANTI-ALLERGIC) है और मुझे याद पडता है के कहीं येह भी पढा था के पोदीना केन्सर को अत्तम करता है लिहाजा मैं ने पोदीना सुखा कर बोतल में डाल लिया और दिन में कई बार दो² दो² युटकियां ले कर मुंह में डाल कर भूष यूस यूस और यबा यबा कर खाता मा'भूली सी जलन होती मगर **اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ** मेरा मुंह बिल्कुल साफ़ हो गया. कहां मैं मा'भूली सी मिर्य भी न जा सकता था मगर अब मेरा मुंह बिल्कुल पहले जैसा हो गया है, जैसे मैं ने कभी पान और गुटके खाये ही नहीं और अब **اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ** पान गुटकों से हमेशा के लिये कान पकड लिये हें. जबडे तो मेरे जियादा मु-तअस्सिर नहीं हुअे थे मगर फिर भी मैं ने नमाज़ से पहले दांतों में मिस्वाक शुरू कर दी, मिस्वाक को दांतों में दबा कर जबडे हलके हलके यलाता जिस से वोह भी अपनी अस्ल हालत पर आ गये हें और **اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ** मैं बिल्कुल सिद्धत याब हो युका हूं और उस मुंह के मूजी मरज से मुझे नज़ात मिल गई है. (पान गुटके वगैरा की तबाह कारियां जानने के लिये मक-त-अतुल मदीना का मत्बूआ रिसाला "पान गुटका" का मुता-लआ फ़रमाईये)**

صَلُّوْا عَلَيَّ الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٍ

करमाने मुस्तक। صلی اللہ تعالیٰ علیہ و آلہ وسلم : जिस के पास मेरा जिक्र हो और वोह मुज पर दुरुद शरीफ न पढे तो वोह लोगो में से कन्जूस तरीन शाख्स है. (ترمذی)

आंभों के नम्बर और मोतिया भत्म हो गया ! (हिंकायत)

किस्सी का बयान है : मेरे त्माई की नजर रोज बरोज कमजोर होती और यश्मे के नम्बर बढ़ते यले जा रहे थे, उन्हों ने किस्सी के मश्वरे के मुताबिक अमल किया तो الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ उन की नजर दुरुस्त हो गई ! हमारी नानीजान की आंभों में सईद मोतिया उतर आया, जब उन्हों ने ईस नुस्खे पर अमल किया तो الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ उन की नजर भी बहाल हो गई ! **ईलाज का तरीका** : पालिस आबे जमजम किस्सी पाली द्रोपर में डाल लीजिये और पांयों नमाजों के बाद द्योनों आंभों में ऐक ऐक कतरा डालिये अगर आंभे पुराब हुई तो जलन होगी मगर घबराईये नहीं जूं जूं आंभे ठीक होती जाअेंगी الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ जलन कम होती जाअेगी. (मुदते ईलाज : ता हुसूले शिफ़ा)

स्फ़ूटर के पेट्रोल में ब-र-कत की हिंकायत

ऐक साहिब का बयान है : मैं अपनी मोटर साईकिल में 8 लीटर पेट्रोल डलवाता था जो सिर्फ़ ऐक डइता यलता था. फिर मैं ने पेट्रोल डलवाने से पडले अक्वल आभिर दुरुद शरीफ़ के साथ सात बार सू-रतुल कौसर पढ कर पेट्रोल की टंकी पर दम करना शुुरुअ कर दिया, الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ अब वोही 8 लीटर पेट्रोल तीन डइते यल जाता है.

येह रिसाला पढ कर दूररे को दे दीजिये

शाही गमी की तकरीबात, ईजतिमाआत, आ'रास और जुदूसे मीलाद वगैरा में मक-त-भतुल मदीना के शाअेअ कर्दा रसाईल और म-दनी झूलों पर मुश्तमिल पेम्फ्लेट तकसीम कर के सवाब कमाईये, गाडकों को ब निय्यते सवाब तोडके में देने के लिये अपनी दुकानों पर भी रसाईल रभने का मा'मूल बनाईये, अफ्बार इरोशों या बख्यों के जरीअे अपने मडल्ले के घर घर में मालाना कम अज कम ऐक अदद सुन्नतों बरा रिसाला या म-दनी झूलों का पेम्फ्लेट पछोंया कर नेकी की दा'वत की धूमें मयाईये और पूब सवाब कमाईये.

गमे मदीना, बकीअ, मकिरत और बे डिसाब जन्नतुल फिरदौस में आका के पड़ोस का तालिब



25 र-मजानुल मुबारक 1435 सि.हि.

24-07-2014

सुन्नत की जहारें

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ तब्दीजे कुरआनो सुन्नत की आवमगीर जैर सियासी तहरीक दा'वते ईस्वाभी के मइके मइके म-दनी माहोव में अ कसरत सुन्नतों सीपी और सिपाई जती हें, हर जुमा'रात ईशा की नमाज के बाद आप के शहर में होने वाले दा'वते ईस्वाभी के हफ्तावार सुन्नतों तरे ईजतिमाअ में रिजाअे ईवाही के लिये अच्छी अच्छी निधतों के साथ सारी रात गुजारने की म-दनी ईक्तिअ है. आशिकाने रसूल के म-दनी काकिवों में अ निधते सवाअ सुन्नतों की तरबिधत के लिये सहर और रोजाना किंके मदीना के जरीअे म-दनी ईन्आमात का रिआवा पुर कर के हर म-दनी मास के ईब्तिदाई हस दिन के अन्दर अन्दर अपने यहाँ के जिम्मेदार को जम्अ करवाने का मा'भूव बना लीजिये, **إِنَّا لِلَّهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ رَاغِبُونَ** ईस की अ-र-कत से पाबन्दे सुन्नत बनने, गुनाहों से नफरत करने और ईमान की छिफाजत के लिये कुठने का जेहून बनेगा.

हर ईस्वाभी भाई अपना येह जेहून बनाअे के "मुजे अपनी और सारी दुन्या के लोगों की ईस्वाह की कोशिश करनी है. **إِنَّا لِلَّهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ رَاغِبُونَ**" अपनी ईस्वाह की कोशिश के लिये "म-दनी ईन्आमात" पर अमल और सारी दुन्या के लोगों की ईस्वाह की कोशिश के लिये "म-दनी काकिवों" में सहर करना है. **إِنَّا لِلَّهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ رَاغِبُونَ**



मक-त-अतुल मदीना

दा'वते ईस्वाभी

इंजाले मदीना, त्री कोलिया जगोये के सामने, मिरजापूर, अहमदखाजाह-1. गुजरात, इन्डिया
Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net